an>

title: Regarding adverse effects of chemical fertilizers, pesticides and insecticides.

**श्री हुकुम सिंह (कैराना) :** माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं एक बहुत ही गंभीर विषय आपके समक्ष प्रस्तुत करना चाहता हूँ। कृषि वैज्ञानिकों की लगातार चेतावनियों के बावजूद भी फसलों में रासायनिक खादों तथा कीटनाशक दवाइयों का निरंतर उपयोग जारी रहने के कारण एक ओर तो कृषि भूमि की उर्वरक शक्ति निरंतर गिरती जा रही है, दूसरी ओर कीटनाकशक दवाइयों के कारण फलों सब्जियों एवं अन्य खाद्य पदार्थों का कुप्रभाव जनता के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। विभिन्न प्रकार के रोग निरंतर फैल रहे हैं। देश में बढ़ते हुए कैंसर टी.बी. एवं अन्य गंभीर रोगों से भारी संख्या में लोग बीमार होते जा रहे हैं। यह सही है कि सरकार ने इस दिशा में कुछ कदम उठाए हैं। परंतु अभी तक किए गए उपायों का प्रभाव अधिक नहीं हो पाया है। एक ओर तो विश्व में ऑर्गेनिक फसलों की ओर आकर्षण बढ़ा है, परंतु भारत में इस दिशा में विशेष प्रगति नहीं हो पाई है। सरकार के द्वारा प्रचार-प्रसार एवं कड़े कानून बनाने की आवश्यकता है। परीक्षण हेतु प्रयोगशालाओं का नितांत आभाव है। सदन के माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस दिशा में तुरंत प्रभावी कार्यवाही करे और एक संतुलित, स्पष्ट कृषि नीति लाए ताकि इन दवाइयों पर और ज़हरों पर अंकुश लग सके।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri P.P. Chaudhary,

Shri Prahlad Singh Patel,

Shri Ajay Misra Teri,

Shri Bhairon Prasad Mishra and

Shri Keshav Prasad Maurya are permitted to associate with the issue raised by Shri Hukam Singh.